www.samaylive.com

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

..र • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली। रविवार • 2 दिसम्बर • 2012

पुस्तकालय की दक्षता को बढ़ाने का ज्ञान किया साझा

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) के तत्वावधान में शनिवार को सार्क कांफ्रेंस फॉर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें सार्क देशों के 70 प्रतिभागी भी सम्मिलित हुए।

▶ सार्क कांफ्रेंस फॉर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स सम्मेलन

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय की जज श्रीमती ज्ञान सुधा मिश्रा ने किया। सार्क देशों के लाइब्रेरी व इन्फॉर्मेशन साइंस के प्रोफेशनल्स को अनुभव व ज्ञान के आधार पर संगठित करने के साथ ही आधुनिक टेक्नोलॉजी से पुस्तकालय की दक्षता को बढ़ाने का ज्ञान भी साझा किया गया।

मुख्य अतिथि ने पुस्तकालय के महत्व को समझते हुए इस तथ्य को वर्णित किया कि आमतौर पर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूशंस के सम्मेलन उसी क्षेत्र के विषयों पर आधारित होते हैं। परंतु इस सम्मेलन का आधार विभिन्न विषयों व क्षेत्रों से जुड़ा है, जो कि युवाओं में पुस्तकालय के प्रति इच्छा जागृत करने में सक्षम है।

इस अवसर पर बिमटेक के डायरेक्टर डा. हरिवंश चतुर्वेदी ने पुस्तकालय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन व सरोजनी नायडू नामक दो पुरस्कारों की घोषणा की।

सम्मेलन को आईआईटी रुढ़की के योगेन्द्र सिंह, प्रोजेश रॉय, ओएन चौबे, जम्मू विश्वविद्यालय की संगीता गुप्ता, एनआईटी कुरुक्षेत्र के कृष्णा गोपाल, डा. शांतनु गांगुली, डा. अनुपम वर्मा, डा. ऋषि तिवारी, डा. आभा ऋषि, अजय प्रताप सिंह, संजय कटारिया, डा. आर.के. शर्मा आदि ने संबोधित किया।